अधूरी सड़क, अधूरे विकास से जनता को फायदा नहीं

सड़कों में मंत्री बन रहे रोड़ा, शासन स्तर पर कार्रवाई नहीं

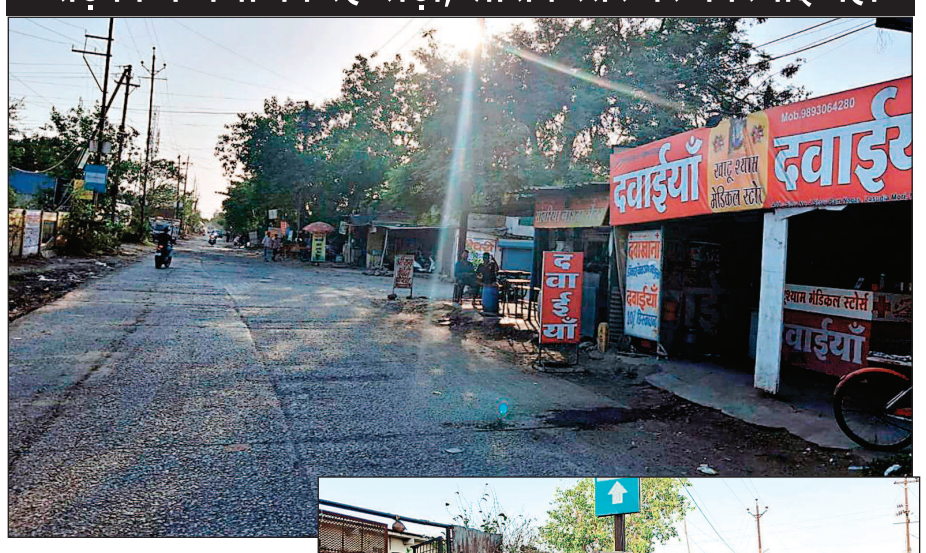

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में सड़कों की बदहाल स्थिति नगर निगम तक सीमित नहीं है, बल्कि मास्टर प्लान की सड़कों पर भी करोड़ों रुपए खर्चा होने के बाद भी अधूरे विकास के साथ पूरा होने के इंतजार कर रही है. अधूरी सड़कों के कारण शहर की जनता और वाहन चालकों को यातायात जाम के कारण वर्षों से भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. शासन स्तर पर सड़कों को लेकर जनप्रतिनिधियों के रोड़े हटाने की कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है.

शहर में मास्टर प्लान की तीन सड़कों पर आईडीए ने 175 करोड़ रुपए खर्च कर दिए है. तीनों सड़कें अधूरी बनी पड़ी है. अधूरी सड़क ओर अधूरे विकास के कारण आम जनता और वाहन चालकों को कोई राहत नहीं मिल रही है. पिछले तीन वर्षों से वाहन चालकों को रोज यातायात जाम का सामना करना पड़ रहा है. ध्यान देने वाली अहम बात यह है कि आम जनता के टैक्स की राशि 175 करोड़ रुपए डम्प हो गए. तीनों सड़कों में बस्ती और रहवासी बाधक है. तीनों सड़कें काबीना मंत्री तुलसी सिलावट के क्षेत्र में आती है. तीनों सड़कों में बाधक बस्ती और रहवासियों को आईडीए, नगर निगम , प्रशासन और पुलिस हटाने में अक्षम साबित हो चुके है. उक्त सड़कों से सिंहस्थ मेले की तैयारी को सीधा झटका लगेगा, क्योंकि उक्त सड़कें बायपास और उज्जैन रोड को जोड़ने वाली है. बताया जा रहा है कि मंत्री सिलावट के कारण स्थानीय प्रशासन कार्रवाई नहीं कर पा रहा है. भोपाल शासन स्तर पर कोई निर्णय अभी तक नहीं हुआ है. ऐसे में इंदौर को अधूरी सड़कों और अधूरे विकास से 175 करोड़ रुपए बर्बाद होने का खतरा मंडरा लगा है. वहीं सिंहस्थ मेले की तैयारियों को झटका लगेगा.

मास्टर प्लान की तीन अधूरी सड़कें

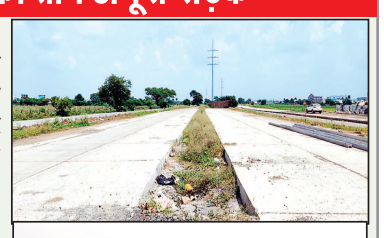

1. एमआर 12 सड़क, मास्टर प्लान की लवकुश चौराहे से बायपास को जोड़ने वाली 9 किलोमीटर लंबी और दो सौ फीट चौड़ी
- बाधक - 1.2 किलोमीटर में 12 सौ रहवासियों की बस्ती
- लागत 85 करोड़ रुपए, निर्माण 70 प्रतिशत,
- सड़क के शेष अधूरे हिस्से में पुल निर्माण , जो शुरू होने वाला है और बस्ती का हिस्सा हटाना।

2. एम आर 11 सड़क, मास्टर प्लान की बायपास से देवास नाका को जोड़ने वाली साढ़े तीन किलोमीटर लंबी और 250 चौड़ी सड़क।
- बाधक - सड़क के 5 सौ मीटर हिस्से में 235 कच्चे पक्के मकानों की बस्ती, सड़क लागत 73 करोड़ रुपए, निर्माण 80 प्रतिशत , खर्च 60 करोड़ रुपए।
- सड़क के शेष हिस्से का अधूरे निर्माण में सिर्फ बस्ती और दो कॉलोनियों का 50 मीटर का हिस्सा हटाना।

3. मास्टर प्लान की एडवांस एकेडमी स्कूल से निरंजनपुर चौराहे तक 3.5 किलोमीटर लंबी और 100 सौ फीट चौड़ी
- बाधक - मंत्री सिलावट समर्थक किशोर पटेल और रहवासी के चौड़ाई में बाधक निर्माण ।
- सड़क के शेष हिस्से का अधूरे निर्माण कार्य बंद पड़ा है, जबकि एडवांस एकेडमी स्कूल से निपानिया गांव तक आठ सौ मीटर लंबी 100 फीट चौड़ी सड़क बन चुकी है. सड़क की लागत 45 करोड़ रुपए और करीब दो किलोमीटर हिस्से का निर्माण बाकी.

डोल ग्यारस पर भक्ति के रंग में रंगा इंदौर

- डोल के साथ निकलीं झिलमिलाती धार्मिक झांकियां
- राजवाड़ा और आसपास के क्षेत्र में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, ढोल-ताशों और जयकारों से गूंजा शहर

इंदौर. डोल ग्यारस पर मंगलवार को इंदौर भक्ति और उल्लास में डूबा नजर आया. शहर के विभिन्न मंदिरों से भगवान के डोल निकले, जिनके साथ आकर्षक धार्मिक झांकियां भी शामिल रहीं. ढोल-ताशों की गूंज और भजनों के बीच निकले चल समारोह के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु राजवाड़ा और आसपास के क्षेत्रों में पहुंचे.

डोल के साथ शामिल धार्मिक झांकियों में देवी-देवताओं और धार्मिक प्रसंगों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया. इन्हें देखने के लिए सड़कों के दोनों ओर लोगों की भीड़ जमा रही. कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने भगवान के डोल का पुष्पवर्षा से स्वागत किया. अखाड़ों की प्रस्तुतियों ने भी लोगों का ध्यान खींचा. डोल ग्यारस के चलते राजवाड़ा क्षेत्र में शाम से ही यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया. चल समारोह के मार्गों पर भारी वाहनों और आम यातायात को प्रतिबंधित कर वैकल्पिक रास्तों से डायवर्ट किया गया. मृगनयनी, रीगल तिराहा और कलेक्ट्रेट की ओर से राजवाड़ा आने वाले वाहनों को भी दूसरे मार्गों पर भेजा गया. चल समारोह को लेकर झांकी आयोजकों ने इस बार धार्मिक झांकियों और अखाड़ों को प्राथमिकता देने की मांग की है. उनका कहना है कि राजनीतिक प्रचार रथ और विज्ञापन वाले वाहनों को पीछे रखा जाए, ताकि पारंपरिक धार्मिक झांकियों और कलाकारों की प्रस्तुतियां बाधित न हों.

सुरक्षा के लिए बल तैनात

राजवाड़ा, सराफा और बर्तन बाजार जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा. सीसीटीवी कैमरों और वॉच टावर से निगरानी की गई. शाम होते-होते शहर के प्रमुख बाजारों में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती गई और देर रात तक डोल तथा धार्मिक झांकियों के दर्शन का सिलसिला जारी रहा. डोल ग्यारस के आयोजन में धार्मिक आस्था के साथ इंदौर की पारंपरिक संस्कृति भी दिखाई दी. डोल, धार्मिक झांकियों, भजनों और अखाड़ों के साथ पूरा शहर उत्सव के रंग में रंगा नजर आया.

एक नजर में

अंतर विद्यालयीन वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

इंदौर . क्रिश्चियन एमिनेंट स्कूल के स्वर्ण जयंती वर्ष एवं हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में अंतर विद्यालयीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया . प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, अभिव्यक्ति-कौशल, आत्मविश्वास एवं हिंदी भाषा के प्रति रुचि को प्रोत्साहित करना था . कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लेखिका ज्योति जैन रहीं . अध्यक्षता गट्टू मीर ने की . प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका रश्मि चौधरी एवं अमर खनौजा ने निभाई . प्रतिभागियों ने अपने तर्क, विचारों और वक्तृत्व-कौशल से उपस्थित अतिथियों एवं श्रोताओं को प्रभावित किया . संचालन सौम्या चुग एवं फाल्गुनी सिसोदिया ने किया . कार्यक्रम का संयोजन डॉ . इति शर्मा ने किया . स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों में हिंदी भाषा, तर्कशीलता एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति के विकास की दिशा में एक सार्थक पहल रही .

संथारा साधिका चरण प्रज्ञा की पुण्यतिथि मनाई

इंदौर . संकल्पमय चातुर्मास-2026 के अंतर्गत मंगलवार को धर्मसभा में संथारा साधिका साध्वी चरण प्रज्ञा महाराज की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं भावपूर्ण वातावरण में मनाई गई . इस अवसर पर साध्वी डॉ . कुमुदलता महाराज ने चरण प्रज्ञाजी के जीवन का परिचय देते हुए उनके व्यक्तित्व, साधना, त्याग एवं धर्म के प्रति समर्पण का स्मरण किया . उन्होंने कहा कि चरण प्रज्ञाजी एक महान साध्वी थीं, जिनका जीवन साधना और संयम की प्रेरणा प्रदान करता है . इस अवसर पर साध्वी डॉ . पद्मकीर्ति महाराज के जन्मदिवस महोत्सव भी हर्षोल्लास से मनाया गया . जन्मदिवस के उपलक्ष्य में महिला मंडल एवं नन्हे-मुन्ने बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से पद्मकीर्तिजी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं . बच्चों एवं महिला मंडल की प्रस्तुतियों ने धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया . आज धर्मसभा में चेन्नई से बड़ी संख्या में श्रीसंघ साध्वी मंडल के दर्शन-वंदन हेतु पधारा . चेन्नई संघ के श्रद्धालुओं ने साध्वी मंडल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया .संघ की ओर से जिनेश्वर जैन ने भावों की अभिव्यक्ति की . संचालन प्रकाश भटेवरा ने किया .

भगवान आदिनाथ, पार्श्वनाथ व मानभद्र बाबा की आरती की

इंदौर . दिगम्बर जैन नरसिंगपुरा लाल मंदिर राजबाड़ा पर दसलक्षण धर्म के तहत पट्टाचार्य सुनिल सागर महाराज के शिष्य संप्रभ सागर महाराज, मुनिश्री शातनु सागर महाराज के आशीर्वाद से आरती की गई . प्रवीण जैन ने बताया कि आरती रात 10 बजे से शुरु होकर 11 .30 बजे तक चली . पहले 535 वर्ष पुरानी प्रतिमा मुलनायक भगवान आदिनाथ की प्रथम आरती, दुसरी पार्श्वनाथ भगवान की आरती और तीसरी आरती मानभद्र बाबा की आरती की गई . सभी भगवान की आरती नरसिंगपुरा समाज के द्वारा साल मे एक आज के दिन ही की जाती है . इस अवसर पर आरती मे मुख्य रुप से सामाजिक संसद के अध्यक्ष आनंद-नवीन गोधा, हर्ष जैन . समाज के अध्यक्ष मुकेश जैन, मनीष जैन, प्रवीण मारवाड़ी विदर्भ जैन . शैलेश शाह, सनत जैन पवन जैन संजय जैन, सुरेश कुलथाना, राजमल जैन के साथ सभी समाज जन शामिल हुए .

अनंत चतुर्दशी पर बिजली व्यवस्था रहेगी चाक-चौबंद, 180 कार्मिक संभालेंगे मोर्चा

नवभारत न्यूज़

इंदौर. अनंत चतुर्दशी पर 25 सितंबर को निकलने वाले गणेश प्रतिमा विसर्जन झांकी चल समारोह को लेकर बिजली कंपनी ने कमर कस ली है. झांकी मार्ग पर बिजली से जुड़े इंतजामों को दुरुस्त करने का काम पिछले दस दिनों से जारी है. समारोह के दिन किसी भी विद्युत आपात स्थिति से निपटने के लिए 30 इंजीनियरों सहित करीब 180 बिजली कार्मिक मैदान में तैनात रहेंगे.

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के इंदौर शहर वृत्त के अधीक्षण यंत्री मनेंद्र गर्ग ने बताया कि मिल क्षेत्र से बजाजखाना तक करीब 7 किलोमीटर लंबे झांकी मार्ग पर उच्चदाब और निम्नदाब लाइनों का निरीक्षण कर आवश्यक संधारण कार्य किए गए हैं. झांकी मार्ग पर ट्रांसफार्मरों के बॉक्स और ढक्कनों को दुरुस्त करने के साथ जरूरत के अनुसार नए बॉक्स व ढक्कन लगाए गए हैं. विद्युत केबल और तारों की ऊंचाई की भी समीक्षा की गई है. जहां आवश्यकता थी, वहां तारों को पर्याप्त ऊंचाई पर किया गया है. बारिश के चलते बिजली के पोल, केबल और ट्रांसफार्मरों पर झुकी पेड़ों की शाखाओं को हटाने के लिए भी विशेष अभियान चलाया गया है. विद्युत जोन कार्यालयों की टीमें इन कार्यों में लगी रही हैं. झांकी चल समारोह के दौरान बिजली व्यवस्था की निगरानी और आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई के लिए जवाहर मार्ग के पास बजाजखाना सब स्टेशन पर अस्थायी बिजली कंट्रोल सेंटर बनाया जाएगा. यहां से झांकी मार्ग की विद्युत व्यवस्था पर नजर रखी जाएगी.

जर्जर एवं खतरनाक भवन पर रिमूवल कार्रवाई

ढाई हजार वर्गफीट पर बना जर्जर मकान हटाया

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में चिह्नित खतरनाक एवं जर्जर मकान पर नगर निगम की रिमूवल कार्रवाई लगातार जारी है. मंगलवार को उक्त मुहिम के तहत ढाई हजार वर्गफीट पर बना जर्जर मकान हटाया गया.

नगर निगम ने आज जोन 9 में नेहरू नगर स्थित जर्जर मकान हटाने की कार्रवाई की. शहर में नेहरू नगर के रोड़ नंबर 5 पर मकान नंबर 326 स्थित है. उक्त मकान के स्वामी सोनाली होलकर, ललित बैंस पति अटल सिंह बैस, ममता पति आकाश त्रिपाठी और अशोक चंद्रभान त्रिपाठी है. निगम रिमूवल दस्ते ने उक्त 326/5 मकान , जो ढाई हजार वर्गफीट पर निर्मित होकर खतरनाक एवं जर्जर अवस्था में था. आमजन सुरक्षा की दृष्टि से हटाने की कार्रवाई की. भवन अधिकारी गितेश तिवारी ने बताया कि जोन-9 में पंचम की फैल के पास नेहरू नगर में करीब 2500 वर्गफीट के प्लॉट पर जी प्लस वन का मकान बना हुआ था, जो कि जर्जर होने के साथ अति खतरनाक था. निगम द्वारा भवन स्वामी को नोटिस देकर स्वयं ही मकान को तोड़ का कहा गया था. मकान के पास स्कूल होने से बच्चों की आवाजाही अधिक रहती थी. नोटिस के बावजूद मकान को नहीं तोड़ा गया. आज रिमूवल दस्ते ने मकान हटाने की कार्रवाई की. कार्रवाई में भवन निरीक्षक जीशान चिश्ती और सहायक रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे एवं निगम कर्मचारी उपस्थित थे.

इंदौर रेलवे परिसरों में पेयजल की गुणवत्ता पर निगरानी

नवभारत न्यूज़

इंदौर. रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए रतलाम मंडल के चिकित्सा विभाग ने इंदौर सहित मंडल के प्रमुख रेलवे परिसरों में पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच शुरू कर रखी है. एक माह में 152 बैक्टीरियोलॉजिकल सैंपल और 2800 रेसिडुअल क्लोरीन टेस्ट किए गए। इनमें 99.5 प्रतिशत से अधिक जांच परिणाम संतोषजनक पाए गए.

इंदौर रेलवे स्टेशन के अलावा उज्जैन, रतलाम, चित्तौड़गढ़, नीमच, मंदसौर, देवास, दाहोद, सीहोर, शुजालपुर, मक्सी और डॉ. अंबेडकर नगर सहित अन्य रेलवे परिसरों में भी यह जांच की जा रही है. वाटर कूलर, नल और अन्य पेयजल प्वाइंट से नमूने लिए जा रहे हैं. रेलवे परिसरों में स्टॉलों पर उपलब्ध पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर की गुणवत्ता भी जांची जा रही है. बैक्टीरियोलॉजिकल जांच के जरिए पानी में हानिकारक सूक्ष्मजीवों की मौजूदगी का पता लगाया जाता है, जबकि रेसिडुअल क्लोरीन टेस्ट से पानी में आवश्यक क्लोरीन स्तर की निगरानी होती है. जांच के साथ पानी की टंकियों, कूलरों, पाइपलाइनों और अन्य व्यवस्थाओं की साफ-सफाई भी देखी जा रही है. किसी स्थान का सैंपल निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरने पर संबंधित विभाग को तत्काल सूचना देकर सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है. इसके बाद दोबारा जांच कर पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाती है. मंडल का कहना है कि नियमित जांच का उद्देश्य इंदौर समेत सभी रेलवे परिसरों में यात्रियों और कर्मचारियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना है.

एक माह में सैकड़ों जांच

जल-अनशन पर बैठे प्रहलाद पांडेय से प्रशासन ने की चर्चा

अवैध बैनर-पोस्टर हटाने की कार्रवाई जारी रखने का भरोसा

नवभारत न्यूज़

इंदौर. रीगल चौराहा स्थित गांधी प्रतिमा के नीचे पिछले सात दिनों से जल-अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता प्रह्लाद पांडेय से मंगलवार शाम प्रशासनिक अधिकारियों ने मुलाकात की. एसडीएम धनगर के साथ नगर निगम रिमूवल विभाग के अधिकारी बबलू कल्याणे और स्वास्थ्य विभाग की चिकित्सक मौजूद थीं.

अधिकारियों ने पांडेय को बताया कि शहर में नियम-विरुद्ध लगाए गए बैनर, पोस्टर और होर्डिंग हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है. निगम अधिकारी ने 30-40 स्थानों पर की गई कार्रवाई के फोटोग्राफ भी दिखाए. स्वास्थ्य जांच में पांडेय का ब्लड शुगर काफी कम पाया गया. चिकित्सक ने उन्हें तत्काल उपचार और अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी. एसडीएम ने भी जल-अनशन समाप्त कर उपचार कराने का आग्रह किया. पांडेय ने कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि अवैध विज्ञापन सामग्री के खिलाफ कार्रवाई निरंतर और निष्पक्ष रूप से जारी रहनी चाहिए. उन्होंने कहा कि कार्रवाई से संतुष्ट होने के बाद ही अनशन समाप्त करने पर विचार करेंगे.

एक नजर में

आईआईटी इंदौर के अभियान में खेल, 'नेकी की दीवार' से लेकर पौधारोपण और सफाई तक

क्रिकेट के मैदान से कजलीगढ़ तक दिया स्वच्छता का संदेश

नवभारत न्यूज़

इंदौर. स्वच्छता का संदेश इस बार आईआईटी इंदौर में सिर्फ सफाई अभियान तक सीमित नहीं रहा. संस्थान ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत खेल, जरूरतमंदों की मदद, स्कूली बच्चों की जागरूकता और ऐतिहासिक स्थल की सफाई को अभियान से जोड़ा.

19 सितंबर को हाउसकीपिंग एजेंसियों के कर्मचारियों के बीच क्रिकेट मैच कराया गया. रोजाना संस्थान परिसर को साफ रखने वाले कर्मचारियों ने मैदान पर टीम भावना के साथ हिस्सा लिया. इसके जरिए उनके काम को सम्मान देने के साथ आपसी मेल-जोल का अवसर भी मिला. अगले दिन अवाना क्लब की 'नेकी की दीवार' पहल में उपयोगी कपड़े जुटाए गए. इन्हें हाउसकीपिंग और बागवानी कर्मियों के साथ निर्माण श्रमिकों के बच्चों को दिया गया। इससे इस्तेमाल में न आ रही वस्तुओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने और उनके पुन: उपयोग का संदेश दिया गया. 21 सितंबर को गजिंदा शासकीय विद्यालय में बच्चों ने चित्रों के जरिए स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की अपनी समझ को सामने रखा. स्कूल परिसर में सफाई और पौधारोपण भी हुआ. अभियान का एक पड़ाव 22 सितंबर को कजलीगढ़ किला रहा. सिमरोल स्थित इस ऐतिहासिक स्थल पर सफाई अभियान चलाकर सार्वजनिक और विरासत स्थलों को साफ रखने की जिम्मेदारी का संदेश दिया गया. चार दिनों की इन गतिविधियों में स्वच्छता के साथ खेल, सेवा, पुन: उपयोग, पर्यावरण और विरासत संरक्षण को जोड़ा गया. इससे अभियान को केवल सफाई कार्यक्रम के बजाय सामुदायिक भागीदारी से जोड़ने की कोशिश नजर आई.